फुल स्टॉप - 50

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ बाप के अव्यक्त बनने के ड्रामा में गुप्त राज़ भरे हुए **थे। कई बच्चे सोचते हैं - कम से कम ब्रहमा बाप छुट्टी तो लेके जाते।** तो क्या आप छुट्टी देते? नहीं देते ना। तो बलवान कौन हुआ?

➳ _ ➳ **अगर छुट्टी लेते तो कर्मातीत नहीं बन सकते। क्योंकि ब्लड-कनेक्शन से पद्मगुणा ज्यादा आत्मिक कनेक्शन होता है। ब्रहमा को तो कर्मातीत होना था।** या स्नेह के बंधन में जाना था?

➳ _ ➳ **ब्रहमा बाप भी कहते हैं - ड्रामा ने कर्मातीत बनाने के बंधन में बांधा। और बांधा कितने टाइम में! समय होता तो और पार्ट हो जाता। इसलिए घड़ी का खेल हो गया।** बच्चों को भी अन्जान बना दिया, बाप को भी अन्जान बना दिया।

➳ _ ➳ **इनको कहते हैं - वाह, ड्रामा वाह! ऐसा है। ना। जब 'वाह ड्रामा वाह' है तो कोई संकल्प उठ नहीं सकता। फुलस्टाप लगा दिया ना!** नहीं तो कम से कम बच्चे पूछ तो सकते थे कि क्या हो रहा है। **लेकिन बाप भी चुप, बच्चे भी चुप रहे। इसको कहते हैं ड्रामा का फुलस्टाप।**

➳ _ ➳ उस घड़ी तो फुलस्टाप ही लगा ना। पीछे भल क्वेश्चन कितने भी उठे लेकिन उस घड़ी नहीं। **तो 'वाह ड्रामा वाह' कहेंगे ना!** बाबा-बाबा बुलाया भी पीछे, पहले नहीं बुलाया।

➳ _ ➳ **यह ड्रामा की विचित्र नँध होनी ही थी और होनी ही है। परिवर्तनशील ड्रामा पार्ट को भी परिवर्तन कर देता है। (18.01.1990)**

➢ ड्रामा में बाबा का पार्ट

- ➳ _ ➳ बाबा किसी को भी बता कर नहीं गये
  - → इसका कारण यह है की,
    - ■ ड्रामा में अचानक जाने का पार्ट था
      - ▶ **ड्रामा में कभी भी बता कर नहीं जाया सकता है**
      - ▶ **महान कार्य के लिये तो चुपचाप ही निकलना होता है**
- ➳ _ ➳ आन्तरिक क्रांति अज्ञात में घटित होती है
- ➳ _ ➳ आन्तरिक क्रांति जब सबसे अनजाना व्यक्ति बन जाता, तब घटित हो
  - → लगाव
  - → झुकाव
  - → आकर्षण
  - → हद
    - ■ इन मेसे यदि कुछ भी मुझमे है
      - ▶ तो मैं Example नहीं बन सकता हु

➳_ ➳ इसीलिए बाबा बिना किसी को बताय

→ चुपके से चुप चाप चले गये

■ इसलिए अनजान भव

▶ **सबसे अनजान हो जाओ**

▶ **BE A STRANGER**

➢➢ **SOUL CONNECTION**

➳_ ➳ **SOUL CONNECTION के 3 प्रकार है**

→ **<u>कार्मिक SOUL COMPANIYON</u>**

■ अर्थात CONNECTION है

■ कर्म का बंधन है

■ पता नहीं किसके साथ हमने क्या क्या किया है

■ वो सब हिसाब किताब चुक्तु करने यहा हमारे पास आएंगे ही

▶ वो जानवर भी हो सकते है,

▶ साप भी हो सकता है

▶ भालू भी हो सकता है

▶ जरूरी नहीं की वह व्यक्ति मनुष्य ही होगा

▶ कुछ भी हो सकता है

▶ कई सालो तक चलने वाला भी हो सकता है

▶ तो अल्पकालीन भी हो सकता है

▶ तो दीर्धकालीन भी हो सकता है

▶हिसाब किताब पॉजिटिव / नेगेटिव कुछभी हो सकता है

▶ RESPECT प्रेम वाला भी हो सकता है

▶ तो नफ़रत REVENGE वाला भी हो सकता है

→ **<u>SOULMATES</u>**

■ जिनकी एकदम FREQUENCY MATCH हो जाती है

▶ चाहे वह कितना भी दूर बैठा है

▶ फिर भी यहां इसके मन में जो संकल्प उठेगा

▶ दूर बैठे व्यक्ति के मन में भी SAME संकल्प आयेगा

■ TELEPATHY CONNECTION होता है

■ EMOTIONAL CONNECTION होता है

■ PHYSICAL CONNECTION होता है

▶ वहा पर ये तोनो ही CONNECTION होते है

▶ वह सम्बंध एकदम सफल रहते है

▶ क्युकी एक दुसरे को बताने की आवश्यकता नहीं रहती

- जो सामने वाला सोचता है
- वह उसके बोले बगर ही उसको समझ में आ जाता है
- इसको क्या चाहिये ?
- UNSPOKEN DESIRE CATCH कर लेता है
- ऐसा जबर्दस्त STRONG TELEPATHY CONNECTION होता है

■ इसको SOULMATES कहा जाता है

→ **TWINS SOULS**

■ मतलब 2 व्यक्तियों का सब कुछ एक है

■ उनकी पसंद एक होती है

■ खाना भी एक ही तरह का पसंद आता है

■ उनकी नापसंदगी भी एक जैसी है

■ संस्कार भी एक जैसे है

■ उनका सब कुछ समान होता है

➳_ ➳ **BLOOD CONNECTION**

→ खून का रिश्ता जिनके साथ होता है

➳_ ➳ **PHYSICAL CONNECTION**

→ पति पत्नी के संबंध

➳_ ➳ **SOUL CONNECTION**

→ **वो CONNECTION सबसे STRONG है**

■ और वो बनते है **"योग की अवस्था में"**

- जब हम आत्माओ को इमर्ज करे
- उनको देखे
- उनसे बात करे
- उनका आह्‌वान करे
- उनको माफ़ करे, उनसे माफ़ी मांगे
- उनको धन्यवाद देना
- उनसे रूहरूहान करना
- तब परिवर्तन होगा
- और VIBRATIONS जायेंगे

■**यहसारी बाते SOUL CONNECTION को STRONG करती है**

- किसी भी 1 आत्मा के साथ कड़े कर्म बंधन है
- तो ऊसके साथ SOUL CONNECTION जोड़ो
- तो वह कर्म बंधन कम होगा
- कर्म बंधन है, तो दु:ख की लहर है

➢➢ ड्रामा

- ➳_ ➳ **इस संसार में सबसे बड़ा शिक्षक ड्रामा है**
  - → **छड़ी लेकर हमे सिखाता है**
    - ■ **गुरु मंत्र देता है**
      - ▶ **“ड्रामा शिक्षक का गुरु मंत्र” देता है**
- ➳_ ➳ **ड्रामा शिक्षक के गुरु मंत्र कौन कौन से है ?**
  - → FULLSTOP
  - → FULLSTOCK
  - → 3 बिंदी
  - → NOT & DOT
    - ■ जब पता है की यह चीज नहीं करनी है
      - ▶ नही करनी तो बस नही ही करनी “NOT”
      - ▶ यह हमे नहीं करना है
      - ▶ यह हमारा काम नहीं है
      - ▶ यह हम नहीं ही करेंगे
      - ▶ NOT करो और DOT लगा दो माना STOP
      - ▶ क्युकी यह जो संकल्प है
      - ▶ यह जो कल्पना है
      - ▶ यह जो शब्द है
      - ▶ यह जो कर्म है
      - ▶ यह जो मैं है
      - ▶ यह जो आदत है
      - ▶ यह जो संस्कार है
      - ▶ यह जो लंबे समय से खीच रहा बंधन है
      - ▶ कब चुटोगे इससे ???
      - ▶ इन सबको NOT करके DOT लगा दो
    - ■ सन्यास की / वैराग्य की मंगल वेला अब है
    - ■ निर्बन्धन होने का समय अब है
    - ■ छोडो तो छुटे
  - → PAST IS PAST
    - ■ जो बिट चूका, वो बित चूका
      - ▶ अब उसके बारे में चिंतन
      - ▶ अब उसके बारे में सोचना
      - ▶ अब उसको खीचना
      - ▶ दुखी होना

- वर्णन करना
- वायुमंडल में फैलाना
- उसीके बारे में गमगीन हो कविता बनाना और लिखना
- संसार में लोग यही करते है

- पर यह हमे FULLSTOP लगाना है
  - और आगे बढ़ना है

→ TRAFFIC CONTROL & DRILLS

→ ड्रामा कल्याणकारी है & न्यायकारी है